

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 18, भाग 3

2 राजा 3-4, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

पहले को दूसरे और तीसरे से अलग क्यों किया गया है? मुझे लगता है कि इसका उत्तर राजाओं, क्षमा करें, पहले राजाओं को फिर से देखने से मिलेगा। पहले राजा अध्याय 17 श्लोक आठ और उसके बाद। हमारे पास क्या है? हमारे पास सारपत की विधवा के लिए प्रावधान की कहानी है, तेल और आटे का प्रावधान, उसके बाद बेटे के उद्धार की कहानी है।

अगर हम अब राजाओं, 2 राजाओं और अध्याय चार को देखें, तो हमें चार एक से सात में एक विधवा के लिए तेल उपलब्ध कराने की एक समान कहानी मिलती है। फिर, शूनेम की महिला और उसके बेटे के जीवन की बहाली की कहानी है। इसलिए मैं आपको सुझाव दे रहा हूँ कि चार एक से सात वास्तव में शूनेम की महिला के साथ उनके परिचय से पहले नहीं हुआ होगा, लेकिन तेल के चमत्कारी प्रावधान की कहानी को एक बेटे के पुनरुत्थान की कहानी से पहले रखा गया है ताकि हमारे दिमाग में यह पुख्ता हो सके कि एलीशा की सेवकाई और एलिय्याह की सेवकाई एक ही पूरे का हिस्सा हैं।

अब, ऐसे लोग हैं जो कहेंगे, ओह, ठीक है, वास्तव में, केवल एक ही कहानी है। माना जाता है कि इज़राइल के कुछ अनाम भविष्यवक्ताओं ने कुछ विधवाओं के लिए तेल या आटा और तेल उपलब्ध कराया था, और माना जाता है कि इज़राइल के कुछ अन्य अनाम भविष्यवक्ताओं ने मृतकों में से एक बकरी को जीवित किया था। उन दो कहानियों को विकसित किया गया है, एक साथ रखा गया है, और दोगुना किया गया है।

मुझे वहां जाने का कोई कारण नहीं दिखता। आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि कहानियाँ इतनी अलग हैं कि मुझे लगता है कि अगर आप बस एक कहानी लेकर उसे दो अलग-अलग लोगों के लिए दोहरा दें, तो आप वास्तव में उन्हें उनकी वास्तविकता से ज़्यादा समान बना देंगे। यहाँ डेटा इतना अलग है कि अगर किसी व्यक्ति या सिर्फ कहानियों को वैसे ही बताया जाए जैसा कि अक्सर सुझाया जाता है, तो मुझे लगता है कि यह समझाना मुश्किल है कि विवरण इतने अलग कैसे हो जाते हैं।

नहीं, मुझे लगता है कि मुद्दा यह है कि एलीशा की सेवकाई और एलिय्याह की सेवकाई ईश्वर की एक ही गतिविधि का हिस्सा है, और जो एक व्यक्ति कर सकता है, दूसरा व्यक्ति अलग तरीके से और अलग सेटिंग में कर सकता है। लेकिन मुद्दा यह है: ईश्वर एलिय्याह से लेकर एलीशा तक यहाँ काम कर रहा है, और यह एक ही सेवकाई है। हम खाते को देखते हैं, और जब हम इसे एक साथ रखते हैं, तो यह चार से सात के साथ चार, 38 से 44 है, और हम उन तीनों में समानताएँ देखते हैं।

तीनों मामलों में, परमेश्वर ज़रूरतमंद लोगों की मदद कर रहा है। बार-बार यह बात कही जा रही है कि परमेश्वर दयालु प्रदाता है, न कि बाल। बाल इस तरह के काम नहीं कर सकता, लेकिन यहोवा कर सकता है।

हम विधवा से शुरू करते हैं। यहाँ भी बाइबल के महान विषयों में से एक है। परमेश्वर के प्रिय लोग कौन हैं? वे लोग जिन्हें समाज बेकार समझता है।

ऐसे लोग जिन्हें समाज अनावश्यक बोझ समझता है। और परमेश्वर कहता है, नहीं, वे मेरी छवि में व्यक्ति हैं, और इस तरह, जीवन में उनकी स्थिति उनके धन से निर्धारित नहीं होती है; यह उनके योगदान करने की क्षमता से निर्धारित नहीं होती है; यह इस तथ्य से निर्धारित होती है कि वे मेरे प्रिय बेटे और बेटियाँ हैं। और इसलिए, विधवाओं, अनाथों और अप्रवासियों को बाइबल में विशेष अनुग्रह के साथ देखा जाता है क्योंकि वे असहाय हैं।

तो, वह एक विधवा है। मेरे पति की मृत्यु हो चुकी है, और अब जब उसका ऋण, अब उसका लेनदार, उसके पति के ऋण उस पर लगाए जा रहे हैं, और वह आकर मेरे दो लड़कों को अपने गुलाम के रूप में ले जाने वाला है। तो वह कहता है, तुम्हारे घर में क्या है? यह इन सभी चमत्कारों में दिलचस्प है, विशेष रूप से पहले दो में। वह कुछ उपयोग करता है, और हम इसे उसके द्वारा किए गए बाद के चमत्कारों में फिर से देखेंगे।

क्यों? मुझे नहीं पता। लेकिन फिर से, यह बाइबिल की कथा का वह स्पर्श है जो आपको बताता है कि हम वास्तविक घटनाओं के बारे में बात कर रहे हैं। हम पौराणिक घटनाओं के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन हम विशिष्ट प्रकार की क्रियाओं के बारे में बात कर रहे हैं।

तो, वह कहती है, ठीक है, मेरे पास थोड़े से जैतून के तेल के अलावा कुछ नहीं है। बहुत अच्छा। तुम्हारे पास क्या है? ओह, मेरे पास कुछ भी नहीं है।

मैं बुद्धिमान नहीं हूँ। मैं अमीर नहीं हूँ। मैं चर्च में बड़ा योगदान देने में सक्षम नहीं हूँ।

मेरे पास कुछ भी नहीं है। तुम्हारे पास क्या है? तुम्हारे पास क्या है? क्या तुम भगवान को इसका इस्तेमाल करने दोगे? जाओ और अपने सभी पड़ोसियों से खाली बर्तन मांगो। सिर्फ़ कुछ ही मत मांगो।

फिर से, यहाँ कितना बढ़िया अलंकार है। मुझे लगता है कि जब वह अंत तक पहुँची, तो उसने शायद कहा होगा, यार, हमें और भी जार माँगने चाहिए थे। जितने जार थे, उतना ही तेल था।

वह हमारा ईश्वर है। वह हमारा ईश्वर है। आपके पास क्या है, और आप उसे कितना बढ़ाना चाहते हैं? आप चाहते हैं कि ईश्वर उसका कितना उपयोग करे? यह कहना आसान है, ठीक है, मेरे पास बस इतना ही है।

मैं भगवान को यह सब नहीं दे सकता। आप नहीं दे सकते। क्यों नहीं? ई. स्टेनली जोन्स के शब्दों में, वह आपके सब कुछ के बदले में आपको अपना सब कुछ दे देगा।

स्टेनली जोन्स ने कहा कि मैंने अपनी बाकी की जिंदगी इस तरह का सौदा करने के लिए खुद को गले लगाते हुए बिताई। हाँ, हाँ। तो यह पहला है।

दूसरा चमत्कार यह है कि इस क्षेत्र में अकाल पड़ा है, और मुझे लगता है कि यह दूसरे और तीसरे दोनों पर लागू होता है। अकाल पड़ा है। फिर से, ज़रूरत।

हमें यहाँ दिखने के लिए गठरी की ज़रूरत है। हमें बारिश पैदा करने के लिए गठरी की ज़रूरत है जिससे पौधे उगेंगे। सब कुछ सूख रहा है और मर चुका है।

चलो, गठरी। जब भविष्यद्वक्ताओं का समूह उससे मिलने आया, तो उसने अपने सेवक से कहा कि एक बड़ा बर्तन चढ़ाओ और इस समूह के लिए कुछ स्टू पकाओ। मैं कल्पना कर सकता हूँ कि गेहजी ने कहा, साहब, साहब, हमारे पास बहुत ज़्यादा नहीं है।

वह कहते हैं, इसे बर्तन में डालो, इस कंपनी को खिलाओ। खैर, हमारे पास बस इतना ही है। चलो सब कुछ दे देते हैं।

उनमें से एक जड़ी-बूटियाँ इकट्ठा करने के लिए खेतों में गया और उसे एक जंगली बेल मिली, और उसने लौकी को स्टू में डाल दिया, और स्टू जानलेवा था। भगवान का आदमी। और मैंने पहले भी इसका उल्लेख किया है।

मैंने फिर से कहा, इन सभी विवरणों में एलिय्याह और एलीशा को नबी नहीं कहा गया है। उन्हें परमेश्वर के लोग कहा गया है, ऐसे लोग जिन्हें परमेश्वर देश में अपने अच्छे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर सकता है। मैं भी यही बनना चाहता हूँ।

मैं ईश्वर का आदमी बनना चाहता हूँ। मैं ईश्वर का आदमी बनना चाहता हूँ। आप क्या सोचते हैं? क्या आप ईश्वर की औरत बनना चाहते हैं? क्या आप ईश्वर के आदमी बनना चाहते हैं? दोहरी सोच न रखें।

अपनी सारी सम्पत्ति बेचकर उसकी मृत्यु के लिये सब कुछ बेच डालो। तब एलीशा ने कहा, थोड़ा आटा ले आओ। और उसे हण्डे में डालकर कहा, इसे लोगों को खिलाओ।

और बर्तन में कुछ भी बुरा नहीं था। हाँ। हाँ।

ओह, क्या आपका जीवन ऐसा हो सकता है? क्या आप ऐसी परिस्थितियों में जा सकते हैं जहाँ बुराई हावी है? और अपने आटे, अपने खमीर, अपने जो कुछ भी है, की उपस्थिति से किसी तरह उस स्थिति को शांत कर सकते हैं? किसी तरह उसे बेअसर कर सकते हैं? ओह, अगर ईश्वर आप में है, ईश्वर मुझ में है, और हम परिस्थितियों में शांति ला सकते हैं। हम परिस्थितियों में आशा ला सकते हैं। अगर ईश्वर हम में है, तो वह सक्षम है।

तीसरा, मैं फिर से सोचता हूँ, इस अकाल की स्थिति में है। एक आदमी बाल शालिशा से आया, जो परमेश्वर के आदमी को लेकर आया। यह रहा।

पहले पके हुए जौ की बीस रोटियाँ, साथ में कुछ नये अनाज की बालें। इसे लोगों को खाने के लिए दो, एलीशा ने कहा। और उसका नौकर, शायद यह फिर से हमारा दोस्त गेहजी है।

मैं इसे सौ आदमियों के सामने कैसे रख सकता हूँ? 20 रोटियाँ और सौ लोग? यह काम नहीं आया। यह गणित इस बात की परवाह नहीं करता कि आप क्या करते हैं।

यह काम नहीं करेगा। एलीशा ने उत्तर दिया, इसे लोगों को खाने के लिए दो। क्योंकि यहोवा यही कहता है, वे खाएँगे और कुछ बच भी जाएगा।

मुझे यकीन है, मुझे यकीन है कि यह आपको सुसमाचार में वर्णित घटनाओं की याद दिलाता है। उनमें से एक मार्क अध्याय 8 में है, 4,000 लोगों को भोजन कराना। खैर, हमारे पास केवल पाँच हैं।

उनके पास 20 रोटियाँ नहीं थीं, बल्कि पाँच रोटियाँ थीं। उनके पास सौ आदमी नहीं थे, बल्कि 4,000 आदमी थे। और उनके पास सामान बच गया।

वह हमारा परमेश्वर है। वह बहुतायत में काम करना पसंद करता है।

आप अपने आस-पास की दुनिया को देखते हैं, और आप कह सकते हैं, ठीक है, मेरे जीवन में बहुत ज़्यादा समृद्धि नहीं है। मैं आपको गारंटी देता हूँ कि अगर आप प्रभु के लिए जी रहे हैं, तो आपके पास आध्यात्मिक रूप से उससे ज़्यादा समृद्धि होगी जितनी उसके बिना आपके पास नहीं होती। और यही वह है जिसकी हम यहाँ तलाश कर रहे हैं, दोस्तों।

पुराने नियम में आशीर्वाद लगभग पूरी तरह से शारीरिक और भौतिक है। और बहुत सारे बुरे धर्मशास्त्र केवल पुराने नियम पर आधारित हैं। खैर, अगर आप भगवान की सेवा कर रहे हैं, तो आप अमीर बनेंगे, आप स्वस्थ रहेंगे, आप आराम से रहेंगे।

और अगर आप अमीर, स्वस्थ और आरामदायक नहीं हैं, तो जाहिर है कि आपकी भक्ति में कुछ गड़बड़ है। क्या मैं इसे श्रद्धापूर्वक कह सकता हूँ? बकवास। हाँ, हाँ, भगवान हमारी शारीरिक, लौकिक और भौतिक ज़रूरतों के बारे में चिंतित हैं।

परमेश्वर चाहता है कि हम जो हैं और जो हमारे पास है, उसका उपयोग करें। परमेश्वर हमें इन क्षेत्रों में आशीर्वाद देना चाहता है। लेकिन वह मुख्य रूप से इसी बात को लेकर चिंतित नहीं है।

और यही बात हम तब देखते हैं जब हम नए नियम में आगे बढ़ते हैं। हम देखते हैं कि पुराना नियम किस ओर इशारा कर रहा था। यह आध्यात्मिक प्रचुरता है जो वह हमें देना चाहता है।

और जब हम ईसाई धर्म के महान संतों को देखते हैं, तो हम बार-बार ऐसे लोगों को देखते हैं जिनके पास इस दुनिया की लगभग कुछ भी संपत्ति नहीं है और फिर भी वे प्रभु में समृद्ध हैं। यही वह है जो वह हमारे जीवन में करना चाहता है। वह आपको और मुझे समृद्ध बनाना चाहता है।

वह आपको और मुझे भरपूर बनाना चाहता है, न कि मुरझाया हुआ और खुद की देखभाल करने की हमारी ज़रूरतों में उलझा हुआ, बल्कि स्वतंत्र। वह जो बहुतायत हम पर डालता है उसे देने के लिए स्वतंत्र और इस तरह राष्ट्रों को खिलाने के लिए स्वतंत्र। अब, फिर से, मैं कोई सख्त और तेज़ रेखा नहीं खींचना चाहता।

पुराने नियम में भौतिक, भौतिक, लौकिक आशीषों के बारे में बताया गया है। और इसका आध्यात्मिक आशीष से कोई लेना-देना नहीं है। मेरा ऐसा कहने का मतलब बिलकुल भी नहीं है।

लेकिन मैं यह कहता हूँ: यदि प्रभु आपको आध्यात्मिक रूप से आशीर्वाद देता है, तो आप जो भी भौतिक या भौतिक वस्तुएँ वह आपको देता है, उनमें आनन्दित हो सकेंगे, जिस तरह से धनी दुनिया वाले कभी नहीं कर सकते। वह हमें आशीर्वाद देना चाहता है। उसका मतलब है कि वह हमें आशीर्वाद दे।

और जब वह हमारी आत्माओं में अपना काम पूरा कर लेगा, तो वह हमें जो कुछ भी देगा, उसमें हमें खुशी मिलेगी। यही उसका काम है। एक ऐसी खुशी जो खुशी देती है, लेकिन एक ऐसी खुशी जो पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि उसने हमारी आत्माओं में क्या किया है।

ये चमत्कार हमें सिखाते हैं कि परमेश्वर हमारी परवाह करता है। वह हमारी ज़रूरतों के बारे में परवाह करता है। वह हमारी परवाह करता है।

वे हमें सिखाते हैं कि वह सक्षम है। वह हर मोड़ पर बुराई को हराने में सक्षम है। वे हमें सिखाते हैं कि वह बहुतायत का परमेश्वर है, जो हमारी माँगों और हमारी ज़रूरतों से कहीं ज़्यादा देना चाहता है।

इसलिए हम महान चरवाहे के भजन, भजन 23 के बारे में सोचते हैं। प्रभु मेरा चरवाहा है। मुझे किसी चीज़ की कमी नहीं होगी।

हम्म। देखिए, इसका संबंध दृष्टिकोण से है। इसका संबंध भावना से है।

ओह, मैं चाहता हूँ, मैं चाहता हूँ। अगर यही आपकी भावना है, तो मैं आपको यह बताने के लिए यहाँ हूँ कि आपके पास कभी भी पर्याप्त नहीं होगा। लेकिन अगर आप कहते हैं, हे भगवान, मैं आपकी भेड़ बनना चाहता हूँ।

मैं तुम्हारे हाथों में रहना चाहता हूँ। तुम पाओगे कि वह तुम्हें बहुत कुछ देता है। वह भरपूर देता है क्योंकि वह परवाह करता है।

तुम्हें आशीर्वाद देते हैं।